

# Living the Lotus

1  
2022

VOL. 196

## Buddhism in Everyday Life

### Founder's Reflections

### जीवन का उपहार दिए जाने के बारे में जागरूकता

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निच्चिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus  
Vol. 196 (January 2022)

Senior Editor: Keiichi Akagawa  
Editor: Jigjikhorloo Gereltuya  
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly by Rishso Kosei-kai International, Fumon Media Center, 2-7-1 Wada, Sugunami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.  
TEL: +81-3-5341-1124  
FAX: +81-3-5341-1224  
Email: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

सभी लोगों को नव वर्ष की शुभकामनाएँ ! यह अब 1997 है और पारंपरिक जापानी कैलेंडर के अनुसार, हेइसी युग का नौवां वर्ष है।

आरंभ की बात करें तो, जब हम पुण्डरीक सूत्र का पाठ करने के लिए क्योतेन: सूत्र पाठ खोलते हैं, तो हम सबसे प्रथम प्रारंभिक का पाठ करते हैं, जो निम्नलिखित शब्दों से आरंभ होता है: "अद्वितीय, गहरा, चमत्कारिक धर्म / शायद ही कभी असंख्य कल्पों में मिलता है। / अब हम इसे देखते, सुनते, ग्रहण करते और धारण करते हैं।"

अक्सर कहा जाता है कि लोग दो बार पैदा होते हैं। विदित है, एक व्यक्ति अपने पहले जन्म का अनुभव तब करता है जब वह अपने माता-पिता से जीवन प्राप्त करके इस संसार में आता है। फिर, बुद्ध धर्म का सामना करने के बाद, वे इस तथ्य के प्रति सजग होते हैं कि वे शाश्वत बुद्ध के महान जीवन से प्रभावित हैं और उनके द्वारा लिए गए एक व्रत के कारण वे इस संसार में पैदा हुए हैं। यह उनका दूसरा जन्म है।

अपने दूसरे जन्म के साथ, लोग अपने बुद्ध प्रकृति के अनंत जीवन को प्राप्त करते हैं और गले लगाते हैं। इस नये वर्ष के आरंभ में, मैं चाहता हूँ कि आप एक बार फिर इस उपहार के ज्ञान को अपने हृदय में अंकित कर लें।

हम जो जीवन से ओतप्रोत हैं और शाश्वत बुद्ध द्वारा पोषित हैं, हमें अपना आभार व्यक्त करना कभी नहीं भूलना चाहिए। कृतज्ञता व्यक्त करने का अभ्यास स्वयं को दूसरों के प्रति समर्पित करके किया जाता है। एक बार ऐसी कृतज्ञता का जीवन जीना स्वाभाविक हो गया, तो प्रत्येक दिन हमें आनंद से भर देता है। इससे पहले कि हम इसे अनुभव करें, हमें अब कोई शिकायत नहीं है, और हम जो भी समस्या का सामना करते हैं, इस विचार से मिलते हैं, "ठीक है! मुझे इसका सामना करने में खुशी होगी!"

निक्क्यो निवानो, काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 8-9

"लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ" का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।



## हमारे समय का मुख्य वाक्यांश “दूसरों को लाभ पहुँचाना” है — दान, भाग 1

निचिको निवानो  
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ

### बौद्ध धर्म के प्रमुख बिंदु

सभी लोगों को नव वर्ष की शुभकामनाएँ।

वर्तमान में कोरोनावायरस अभी भी दूर नहीं हुआ है; यह चिंता का कारण बना हुआ है, लेकिन महामारी के दौरान, हमने बहुत कुछ सीखा है, है ना? इस वर्ष, आइए उस सीख को ज्ञान और करुणा के कार्यों पर लागू करें और, बोधिसत्व के रूप में, जो शांतिपूर्ण घरों और समुदायों का स्वागत करते हैं, लगातार अपने अध्यवसायी अभ्यास को जारी रखते हैं।

तो, हम जो बुद्ध की देशना का अध्ययन कर रहे हैं, उनके लिए कौन सी देशना और अध्यवसायी अभ्यास सबसे महत्वपूर्ण हैं?

जापानी तेंदाई स्कूल के संस्थापक साइचो (767–822) को उद्धृत करें तो, “करुणा का अंतिम रूप है दूसरों को बेहतर चीजें देते हुए अपने लिए अप्रिय चीजें लेना है, यानी अपने बारे में भूलना और दूसरों को लाभ पहुँचाना।” उन्होंने हमें सिखाया है कि जो लोग ऐसा करते हैं, वे दूसरों के लिए सोचते हैं और वैसा ही करते हैं। “अपने बारे में भूल जाना और दूसरों को लाभ पहुँचाना” का अर्थ है, अन्य लोगों का ध्यान रखते हुए करुणा का अभ्यास करना और वही करना, जो उन्हें मन की शांति और आनंद लाने के लिए ठीक हो सकता है- और वह है दान का अभ्यास, बुद्ध मार्ग में सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा। जापानी शिंगोन स्कूल के संस्थापक कुकाइ (774-835) ने कहा कि, “शाक्यमुनि की शिक्षाएँ विशाल और असीमित हैं, लेकिन उन्हें एक ही वाक्यांश में संक्षेप में व्यक्त करके देखें, तो वह ‘स्वयं और दूसरों को लाभ पहुँचाना है।”

कुकाई इस प्रकार सलाह देते हैं कि हमें बौद्ध धर्म के प्रमुख बिंदु दान (दूसरों को लाभ पहुँचाना) है, जो छह पारमिताओं में से एक है, और आपके वर्तमान शरीर में बुद्ध बनना (स्वयं को लाभ पहुँचाना), जैसे आप हैं।

यदि आप इसके बारे में सोचते हैं, जब शाक्यमुनि ने अपने घर और परिवार को त्याग दिया, तो उनका लक्ष्य “जीवित प्राणियों को मुक्त करना था, यह देखते हुए कि वे कैसे सही रास्ते से भटक गए और जन्म और

मृत्यु के चक्र में पड़े हुए हैं” (शोको वतनबे, शिन शकुसन डेन [शाक्यमुनि बुद्ध की एक नई जीवनी])। शाक्यमुनि ने सभी लोगों को दुःखों से मुक्त करने के लिए ज्ञान में स्वयं को समर्पित कर दिया और अपने देश के राजकुमार के रूप में अपनी स्थिति और धनसम्पत्ति को अलग कर दिया। दूसरों को लाभ पहुँचाने के मन के कारण, दान की यह प्रथा, बुद्ध मार्ग है। मुझे लगता है कि दान छह पारमिताओं में से पहला है - एक बोधिसत्व के अभ्यास की पूर्णता - शाक्यमुनि के अपने राजसी जन्म को त्यागने की विशेष परिस्थिति से असम्बन्धित नहीं है।

इस अर्थ में भी, जबकि हमारे कई मूल्य अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, आइए विचार करें कि दान के अभ्यास के साथ-साथ छह पारमिताओं की शिक्षा से हमें क्या स्वीकार करना महत्वपूर्ण है।

## लालच की इच्छा न रखना दूसरों को लाभ पहुँचाने का अभ्यास है

कोविड-प्रेरित सामाजिक प्रतिबंधों के कारण लोगों के बीच शारीरिक और भावनात्मक दूरी की प्रवृत्ति के बावजूद, व्यक्तिगत हितों से परे दूसरों को लाभान्वित करने की प्रथा ने, भले ही इस तरह का अभ्यास किसी के विश्वास का हिस्सा हो या नहीं, जनता का ध्यान आकर्षित किया है। हाल के वर्षों में मुझे लगता है कि यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि अधिक से अधिक लोग स्वयंसेवी गतिविधियों, स्थानीय दुकानों और व्यवसायों के समर्थन और परोपकारी कार्य के लिए सामूहिक धन संग्रह में अपने पास जो कुछ भी है उसका उपयोग करके खुशी उपलब्धि और उद्देश्य की भावना का अनुभव कर रहे हैं, जिससे व्यापक और समृद्ध हो रहा है लोगों का मन।

हम कोरोनावायरस “आपदा” के बारे में बहुत कुछ सुनते हैं, लेकिन अगर एक संक्रामक बीमारी के प्रसार ने लोगों की एक-दूसरे की मदद करने की मानसिकता को परिष्कृत किया है, तो कोरोनावायरस इसका कारण है, जिसे हम “कोरोनावायरस प्रभाव” कह सकते हैं, और हम बीमारी को एक ऐसी चीज के रूप में देख सकते हैं, जिसका एक सकारात्मक आयाम भी है।

बौद्ध धर्म में, हमें सिखाया जाता है कि दान में भौतिक वस्तुओं का दान, दूसरों के साथ शिक्षा का दान करना (साझा करना) और स्वयं का दान करना (शारीरिक क्षमता) या निर्भयता का दान करना (लोगों को चिंता या भय से मुक्त करना) का रूप ले सकता है। हालांकि, यदि हम इन्हें समाज में योगदान देने, दूसरों की मदद करने और स्वयंसेवी कार्य करने के रूप में परिभाषित करते हैं, तो ऐसा लगता है कि हम सभी को दान का अभ्यास करने और दूसरों को लाभ पहुँचाने का एक तरीका मिल सकता है, जो हम में से प्रत्येक के लिए उपयुक्त है।

इसके अलावा, जेन मास्टर डोगेन (1200-1253) ने कहा, “दान का अर्थ है कोई लालची इच्छा नहीं रखो।” दूसरे शब्दों में, यदि आप में कोई लालची इच्छा नहीं है, तो आप जो कुछ भी नहीं खाते या उपयोग नहीं करते हैं, वह अन्य लोगों तक पहुँचता है, जो स्वयं दान का एक रूप है। इसके अलावा, जब हम एक स्थायी वातावरण और समाज के बारे में सोचते हैं, तो हम कह सकते हैं कि लालची इच्छा न रखते हुए हर एक व्यक्ति का दूसरों को लाभ पहुँचाने का प्रयास एक अधिक समकालीन, विचारोत्तेजक शिक्षा है।

दूसरी ओर, हम यह दृष्टिकोण ले सकते हैं कि जैसे-जैसे लोग एक-दूसरे के साथ कम बार बातचीत करते हैं, उन्हें करुणामय दिमाग को दिखाने में कठिनाई होती है, जो उनके सामने किसी के मुसीबत में होने पर कार्रवाई करता है। इसलिए, जैसा कि दूसरों के प्रति दयालु होना अधिक महत्वपूर्ण है, मैं आप सभी के साथ मिलकर फिर से पुनर्विचार करना चाहूँगा, जैसे कि दान का मन और इच्छाओं और भौतिक दान के प्रति लगाव के बीच का संबंध।

# कॉमिक्स के माध्यम से रिश्शो कोसेइ काइ का परिचय

## संस्थापक का जीवन और रिश्शो कोसेइ काइ का इतिहास

### मूल शास्त्र के रूप में त्रिविध पुण्डरीक सूत्र

रिश्शो कोसेइ काइ के सदस्यों के लिए त्रिविध पुण्डरीक सूत्र उनका मूल सूत्र है। इसमें अमितार्थसूत्र, सद्धर्मपुण्डरीकसूत्र तथा बोधिसत्व समन्तभद्रसमाधिविधिसूत्र सम्मिलित हैं। उनमें से एक पुण्डरीक सूत्र को "सभी सूत्रों का राजा" कहा जाता है और इसमें शाक्यमुनि की देशनाओं का सार है।

बौद्ध धर्म के सूत्र जीवन जीने का एक सच्चा मार्ग बताते हैं। सबसे बढ़कर, पुण्डरीकसूत्र के विषय में श्रेष्ठ बात यह है कि विभिन्न दृष्टान्तों के माध्यम से यह सत्य के अनुरूप देशना का अभ्यास करने के ठोस तरीके प्रस्तुत करता है। अपनी धर्म वार्ता और पुस्तकों के माध्यम से संस्थापक ने ऐसी देशना को आसानी से समझने योग्य ढंग से समझाया है।



#### ☀ क्या तुम्हें पता था?

पुण्डरीकसूत्र एक अंग्रेजी शीर्षक का संक्षिप्त रूप है, "अद्भुत धर्म का पुण्डरीक फूल का सूत्र।" रिश्शो कोसेइ काइ इस शीर्षक की व्याख्या उस अनमोल शिक्षा के रूप में करता है, जो दिखाती है कि इस संसार में रहते हुए मनुष्य को भ्रम से जुड़े बिना कैसे रहना चाहिए।

\* इस सामग्री का कोई भी पुनरुत्पादन या पुनर्प्रकाशन व्यक्तिगत, गैर-व्यावसायिक और सूचनात्मक उपयोग के लिए पुनरुत्पादन के अलावा निषिद्ध है।

## सह-संस्थापक के साथ मिलकर काम करना



रिश्शो कोसेइ काइ की शुरुआत तीस से कम सदस्यों के साथ हुई थी। अधिक से अधिक लोगों को मुक्त करने के लिए, संस्थापक और सह-संस्थापक म्योको ने लोगों को धर्म से जोड़ने का प्रयास किया और लगभग हर दिन एक साथ उनके घरों में जाकर उन्हें सलाह दी।

एक सर्दियों के दिन, संस्थापक ने म्योको सेन्सेई को अपनी साइकिल पर एक सवारी दी और धर्म मार्गदर्शन देने के लिए सदस्यों के घरों का दौरा किया। उस दिन बीस से अधिक घरों में जाने के बाद और समय और ठंडक के बारे में भूल जाने के बाद, उसका चेहरा पीला पड़ गया था और उसके पैर ठंड से इतने ठंडे और सुन्न हो गए थे कि थोड़ी देर के लिए वह न तो खड़ी हो सकती थी और न ही चल सकती थी।

### ☀ क्या तुम्हें पता था?

1930 के दशक में मासिक सदस्यता शुल्क बीस सेन था, क्योटेन (सूत्र रीडिंग) की लागत पचास सेन और प्रार्थना की माला एक येन और तीस सेन थी। (जब वर्तमान मूल्यों में परिवर्तित किया जाता है, तो एक सेन लगभग 20 सेंट होता है।) शामिल होने वाले कई लोग मुश्किल से इलाज वाली बीमारियों से पीड़ित थे या पारिवारिक समस्याओं से जूझ रहे थे।

## Director's Column

### महामारी से विकसित दूसरों को लाभान्वित करने का मन

रेवरेन्ट केइइची आकागावा  
निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इंटरनेशनल

सभी लोगों को नव वर्ष की शुभकामनाएँ !

मेरा यह कॉलम अब अपने दूसरे वर्ष में है। सबसे पहले, मैं इसे पढ़ने के लिए आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ। पिछले वर्ष के अनुभव के आधार पर, मैं इस कॉलम को लिखने में पूर्ण कोशिश करूँगा जिसमें पाठकों को अधिक से अधिक आनंद मिले।

पिछले तीन वर्षों से, प्रेसिडेंट निवानो ने धर्म वार्ता को साझा किया है, जिसमें त्रिविध पुण्डरीक सूत्र के प्रत्येक परिवर्त पर उनकी टिप्पणियाँ शामिल हैं, और इस नव वर्ष में वह “दान” पर एक वार्ता के साथ शुरू करेंगे - छह पारमिताओं में प्रथम है। मुझे लगता है कि आने वाले महीनों में हम मूल बौद्ध शिक्षाओं के बारे में उनसे और अधिक सीख सकेंगे।

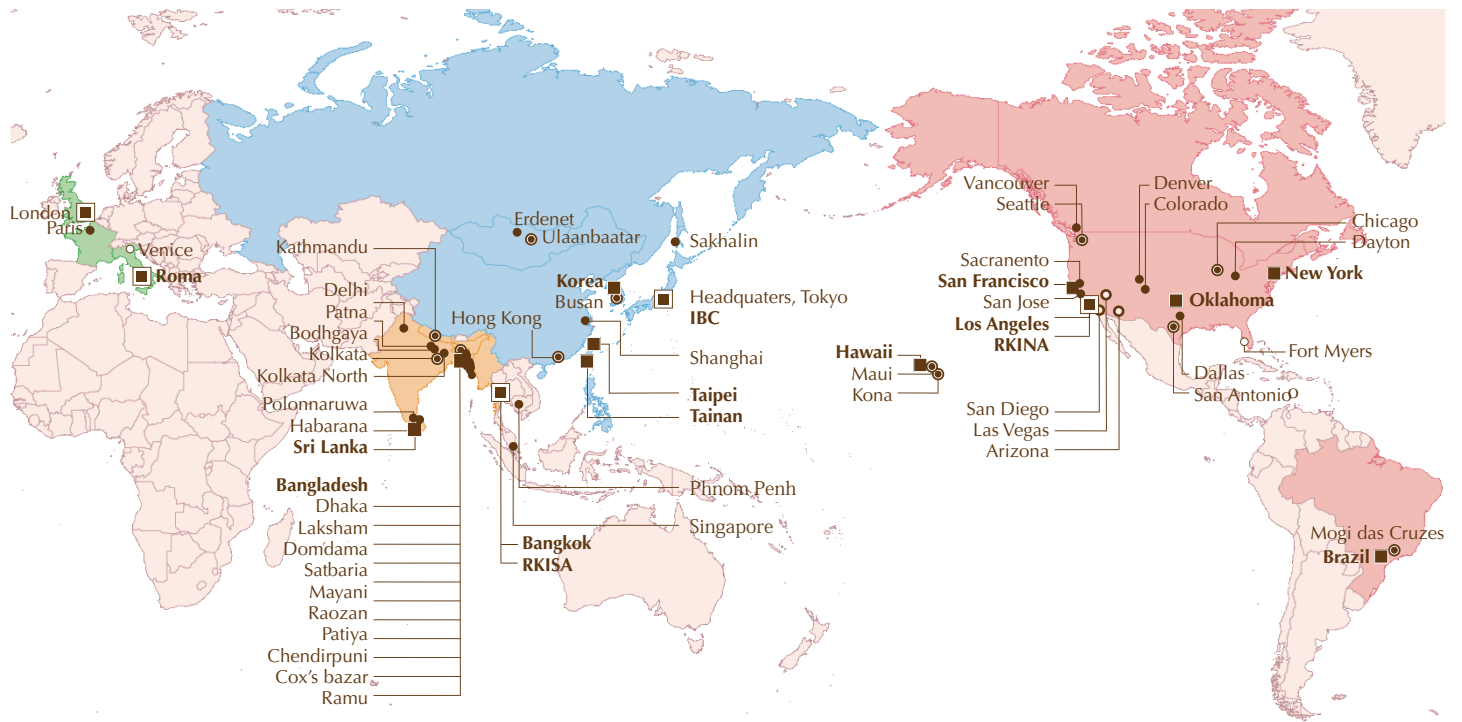
अपने धर्म भाषण में, प्रेसिडेंट ने घोषणा की है कि “दूसरों को लाभ पहुँचाना” हमारे समय का प्रमुख वाक्यांश है और दान के अभ्यास के महत्व की व्याख्या करता है। वे कोरोनावायरस “आपदा” का वर्णन करते हैं, जो अब अपने तीसरे वर्ष में है, सकारात्मक शब्दों में “कोरोनावायरस के प्रभाव” के रूप में, इस संभावना का जिक्र करते हुए कि इस संक्रामक बीमारी के फैलने से लोगों में एक-दूसरे की मदद करने की इच्छा पैदा हुई है। यह आपके आस-पास के संसार में किस प्रकार की दयालुता को जगाता है?

बौद्ध धर्म को अक्सर “अंतर्दृष्टि का मार्ग” कहा जाता है। इस वर्ष क्या यह शानदार नहीं होगा, यदि हम सभी पूरी तरह से दृष्टिकोण को अपना सकें- और चीजों को स्वीकार करने के नये तरीके सीख सकें- जो स्वयं और दूसरों में विशेष बनाते हैं, और प्रत्येक दिन हम प्रेरित बनकर जीते हैं?



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: [living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp](mailto:living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp)

# Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



## Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA  
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633  
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

## Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA  
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

## Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA  
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

## Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA  
 POBox 33636, CA 90033, USA  
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567  
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

## Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA  
 POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA  
 TEL: 1-650-359-6951 Email: [info@rksf.org](mailto:info@rksf.org)

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

## Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA  
 TEL: 1-212-867-5677 Email: [rkny39@gmail.com](mailto:rkny39@gmail.com) URL: <http://rk-ny.org>

## Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA  
 TEL: 1-773-842-5654  
 Email: [murakami4838@aol.com](mailto:murakami4838@aol.com) URL: <http://rkchi.org>

## Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

## Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA  
 POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA  
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303  
 Email: [rkokdc@gmail.com](mailto:rkokdc@gmail.com) URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

## Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver

1255 Galapago St. #809 Denver, CO 80204, USA  
 TEL: 1-303-446-0792

## Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA  
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

## The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA  
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567  
 Email: [dharmasa@rksabuddhistcenter.org](mailto:dharmasa@rksabuddhistcenter.org)  
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

## Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA  
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA  
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745  
 Email: [dharmasanantonio@gmail.com](mailto:dharmasanantonio@gmail.com)  
 URL: <http://www.rkina.org/sanantonio.html>

## Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA  
 TEL: 1-253-945-0024 Email: [rkseattlewashington@gmail.com](mailto:rkseattlewashington@gmail.com)  
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

## Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

## Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil  
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377  
 Email: [risho@rkk.org.br](mailto:risho@rkk.org.br) URL: <http://www.rkk.org.br>

**Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes**

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP, CEP 08730-000, Brasil

**在家佛教韓國立正佼成會**

〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3  
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea  
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

**在家佛教韓國立正佼成會釜山支部**

〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F  
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea  
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

**社團法人在家佛教立正佼成會**

台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓  
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan  
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

**台南市在家佛教立正佼成會**

台灣台南市東區崇明 23 街 45 號  
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan  
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488  
Email: kosekaitainan@gmail.com

**Rissho Kosei-kai South Asia Division**

Thai Rissho Friendship Foundation  
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand  
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

**Rissho Kosei-kai of Kathmandu**

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

**Rissho Kosei-kai of Kolkata**

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar, Kolkata 700094, India

**Rissho Kosei-kai of Kolkata North**

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,  
West Bengal, India

**Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center**

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rumpur, Gaya-823001,  
Bihar, India

**Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center**

Please contact Rissho Kosei-kai of Kolkata

**Rissho Kosei-kai of Central Delhi**

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,  
New Delhi 110060, India

**Rissho Kosei-kai of Singapore**

Please contact Rissho Kosei-kai International

**Rissho Kosei-kai of Phnom Penh**

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,  
Phnom Penh, Cambodia

**RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia**

Thai Rissho Friendship Foundation  
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand  
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

**Rissho Kosei-kai of Bangkok**

Thai Rissho Friendship Foundation  
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand  
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

**Rissho Kosei Dhamma Foundation**

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka  
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

**Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa**

Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

**Rissho Kosei-kai Bangladesh**

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh  
TEL: 880-2-41360470

**Rissho Kosei-kai Mayani**

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Damdama**

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Satbaria**

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Chendhirpuni**

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,  
Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Raozan**

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Laksham**

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Dhaka**

408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Cox's Bazar**

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Patiya****Rissho Kosei-kai Ramu****Rissho Kosei-kai Aburkhiln****Buddiyskiy khram "Lotos"**

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia  
TEL: 7-4242-77-05-14

**Rissho Kosei-kai of Hong Kong**

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

**Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai****Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar**

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoro-1, Chingeltei district,  
Ulaanbaatar 15160, Mongolia  
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia  
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

**Rissho Kosei-kai of Erdenet**

Please contact Rissho Kosei-kai International

**Rissho Kosei-kai di Roma**

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia  
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

**Rissho Kosei-kai of Paris****Rissho Kosei-kai of Venezia****Rissho Kosei-kai of the UK**

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK  
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>  
Facebook: <https://www.facebook.com/rkuk.official>  
Twitter: [https://twitter.com/rkuk\\_official](https://twitter.com/rkuk_official)  
Instagram: [https://www.instagram.com/rkuk\\_official](https://www.instagram.com/rkuk_official)

**Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)**

166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F  
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan  
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.abc-rk.org>